

1. कम्प्यूटर कक्ष का निर्माण : पूर्व में महाविद्यालय में कुल 6 सिस्टम तथा 2 प्रिन्टर थे जो कि बी.एड. प्रशिक्षार्थियों के लिए कम पड़ते थे। इसे देखते हुए एक कक्ष को ET कक्ष का रूप देते हुए 15 सिस्टम, एम लेपटाप, प्रोजेक्टर और कय कर 21 सिस्टम के साथ लेब का स्वरूप दिया गया जिसमें सिस्टम एवं बैठक व्यवस्था के लिए विशेष फर्नीचर बनवाकर सुविधाजनक किया गया जिसमें प्रशिक्षार्थी सिस्टम पर पूर्ण स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं। प्रोजेक्टर भी फिट किया गया है जिससे शिक्षण, प्रदर्शन एवं अभ्यास कार्य कराया जाता है।
- 2 ग्रंथालय : पूर्व में योग एवं कम्प्यूटर संबंधी पुस्तकें कम थी जिससे इससे संबंधी संदर्भ एवं अध्ययन में कठिनाई होती थी। किंतु विगत तीन वर्षों में योग की एन सी टी ई दिल्ली द्वारा प्रकाशित D.Ed, B.Ed, एवं M.Ed के कोर्सेस की 30 पुस्तकों के साथ योग की 10 और उपयोगी पुस्तकें कय की गईं साथ ही आवश्यकतानुसार कम्प्यूटर से संबंधित भी उपयोगी पुस्तकें कय की गईं। बी.एड. पाठ्यक्रम के भी आवश्यकतानुसार है। पुस्तकों का कय किया गया।
- 3 प्रशिक्षार्थियों के लिए पक्का स्कूटर स्टैंड एवं अतिथियों के लिए पृथक से वाशरूम को निर्माण किया गया।
- 4 35' X 60' के बहुप्रयोजन हॉल में परदे, फर्नीचर, फैन, लाइट आदि की व्यवस्था की गई। साथ ही महाविद्यालय में वाटरहार्वैस्टिंग का निर्माण किया गया।
- 5 यद्यपि महाविद्यालय में पानी की व्यवस्था के लिए पृथक से मोटर की व्यवस्था है तथापि नगर निगम से पानी सप्लाई का कनेक्शन भी कराया गया।
- 6 शोध कार्य -
(A) 2018-19 A Critical study of reflective journals after teaching written by B.Ed first year and second year students of session 2018-19


प्रभार्य
शुभम शिक्षण महाविद्यालय
बिलासपुर